पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

# राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के व्यावसायिक शिक्षा के पांचों कौशल मानकों को पूरा करने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

## व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने दी जानकारी, कहा– आत्मनिर्भर बनेगी प्रदेश की युवा पीढ़ी

## यूपीएसडीएम के 'प्रोजेक्ट प्रवीण' में वित्तीय कौशल और उद्यमिता विकास के दो नए मॉड्यूल शामिल

## वित्तीय वर्ष 2026–27 में प्रदेश के 515 विद्यालयों के करीब दो लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

**लखनऊ : 13 नवम्बर, 2026**

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के अनुरूप स्कूली शिक्षा को रोजगारपरक कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में उत्तर प्रदेश ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत निर्धारित कौशल विकास के सभी पांचों मानकों को पूरा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन और मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को केवल डिग्रीधारक ही नहीं, बल्कि हुनरमंद और स्वावलंबी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) की महत्वाकांक्षी योजना 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में दो नए मॉड्यूल– 'वित्तीय कौशल' और 'उद्यमिता विकास' को सम्मिलित किया गया है। इससे स्कूली विद्यार्थियों को अब तकनीकी दक्षता व डिजिटल समझ के साथ–साथ वित्तीय जागरूकता और उद्यमिता की बुनियादी व्यावहारिक जानकारी भी मिल रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा की स्कूली शिक्षा से जोड़ने, विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और प्रारंभिक स्तर से ही कौशल सीखने को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया है। इसी उद्देश्य से निर्धारित पांच प्रमुख मानकों में तकनीकी कौशल प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण, एआई एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय कौशल और उद्यमिता विकास शामिल हैं। अब तक 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के अंतर्गत विद्यार्थियों को न्यूनतम 180 घंटे का तकनीकी कौशल प्रशिक्षण, 30 घंटे का सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण तथा 04 घंटे का एआई एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा था। मिशन निदेशक पुलकित खरे की पहल पर अब इसमें 02 घंटे का वित्तीय कौशल तथा 02 घंटे का उद्यमिता विकास मॉड्यूल भी जोड़ दिया गया है। इन नए मॉड्यूल के माध्यम से छात्र–छात्राओं को फाइनेंस मैनेजमेंट, बचत, निवेश की बुनियादी समझ, सटीक वित्तीय निर्णय लेने और अपना उद्यम शुरू करने का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के माध्यम से विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही उनकी रुचि एवं बाजार की मांग के अनुरूप व्यावहारिक कौशल में दक्ष बनाने से उनके उज्ज्वल भविष्य की राह प्रशस्त होगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय और उद्यमिता मॉड्यूल जुड़ने से विद्यार्थी बचत, निवेश और व्यवसाय की बारीकियों को समझकर भविष्य में 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बनने की दिशा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगे। यह पहल स्कूली शिक्षा

और कौशल विकास के मध्य एक सुदृढ़ सेतु का कार्य करते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी।

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के तहत प्रदेश के 515 विद्यालयों के लगभग दो लाख विद्यार्थियों को कौशल विकास प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के साथ–साथ अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) विद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय, सर्वोदय विद्यालय तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भी सम्मिलित हैं। योजना के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ–साथ रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

**सम्पर्क सूत्र– धर्मवीर खरे**

**राम यतन/05:30** PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in